बैंकिंग सेवाओं में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर सर्वे: 2011-12*

बैंकिंग सेवाओं में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर वार्षिक सर्वे का उद्देश्य विदेशों में कार्यरत भारतीय बैंकों की सहायक कंपनियों/शाखाओं तथा विदेशी बैंकों की भारत में कार्यरत सहायक कंपनियों/शाखाओं की बैंकिंग सेवाओं में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराना है। ग्राहकों पर प्रभारित प्रत्यक्ष/परोक्ष शुल्क/कमीशन के आधार पर वित्तीय अनुषंगी सेवाओं के संबंध में सतत तथा तुलनात्मक आंकड़े एकत्रित किए जाते हैं। यह लेख बैंकिंग सेवाओं में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर भारतीय रिज़र्व बैंक के सर्वे के 2011-12 दौर के निष्कर्षों को प्रस्तुत करता है।

प्रस्तावना

बैंकिंग सेवाओं में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार अनिवासियों को प्रदान की जाने वाली सेवाओं से संबंधित है, जिसके लिए फर्मों को उधार देने, बंधक ऋण देने, खुदरा जमाराशियां स्वीकार करने, उपभोक्ता वित्त प्रदान करने तथा प्रतिभूति हामीदारी, स्थानीय मुद्रा में बांड लेनदेन, फर्मों के लिए विदेशी मुद्रा सेवाएं, दलाली, अभिरक्षा सेवाएं, निधि संग्रहण तथा संवितरण सेवाएं जैसी बहुत सी तथाकथित गैर-आस्ति आधारित सेवाएं देने के लिए विदेशी बैंक की स्थानीय उपस्थिति जरूरी होती है। ये सभी सेवाएं देशों के बीच वस्तुओं और सेवाओं के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं क्योंकि सभी अंतर्राष्ट्रीय लेनदेन प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से बैंकों के माध्यम से किए जाते हैं। किसी देश के निवासी को ऐसी बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए उस देश में बैंक की भौतिक उपस्थिति जरूरी है। स्थानीय उपस्थिति की यह जरूरत विदेशी बैंक को मेजबान देश की घरेलू बैंकिंग नीतियों का पालन करने के लिए विवश करती है।

भारतीय अर्थव्यवस्था का वैश्वीकरण, बाह्य व्यापार में वृद्धि तथा अधिक खुले वित्तीय बाजार के साथ-साथ हुआ है। बैंकों ने विदेशों में अपनी शाखाएं/सहायक कंपनियां खोलना शुरू किया है ताकि वे अधिक किफायती तरीके से बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध करा सकें। पिछले वर्षों में, शाखाओं, एजेंसियों, सहायक कंपनियों अथवा विलयन और अभिग्रहण के जरिये बैंकिंग में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश से घरेलू तथा विदेशी बैंकों दोनों की विदेशी उपस्थिति बढ़ी है। भारत में सार्वजनिक नीति के परिप्रेक्ष्य में, विदेशों में कार्यरत भारतीय बैंकों तथा भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों द्वारा प्रदान की जा रही बैंकिंग सेवाओं की कार्यकुशलता का मूल्यांकन करना उपयोगी रहेगा। साथ ही, विश्व व्यापार संगठन के अंतर्गत सेवाओं के व्यापार पर सामान्य करार में, अन्य बातों के साथ-साथ, वित्तीय सेवा क्षेत्र के उदारीकरण के लिए वार्ता हेतु बैंकिंग सेवाओं के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर सतत तथा तुलनात्मक सांख्यिकी की आवश्यकता भी प्रतिपादित की गई है।

बैंकिंग सेवाओं में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर भारतीय रिज़र्व बैंक का वार्षिक सर्वे विदेशों में कार्यरत भारतीय बैंकों की सहायक कंपनियों/शाखाओं तथा विदेशी बैंकों की भारत में कार्यरत सहायक कंपनियों/शाखाओं की बैंकिंग सेवाओं के संबंध में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराता है। भुगतान संतुलन मैनुअल के अनुसार सहायक कंपनी ऐसा प्रत्यक्ष निवेश उपक्रम है, जिस पर प्रत्यक्ष निवेशक 50 प्रतिशत से अधिक ईक्विटी निवेश के जरिये नियंत्रण हासिल कर सकता है। सहायक संस्था ऐसा प्रत्यक्ष निवेश उपक्रम है, जिस पर प्रत्यक्ष निवेशक का कोई नियंत्रण नहीं होता, लेकिन वह ऐसी स्थिति में उस पर काफी प्रभाव रख सकता है, जब निवेश उपक्रम में उसकी ईक्विटी 10 से 50 प्रतिशत के बीच हो।

बैंकिंग सेवाओं में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर पहले के वार्षिक सर्वे 2006-07 से आयोजित किए गए थे. इस सर्वे के अंतर्गत शामिल बैंकिंग सेवाओं के ब्योरे संलग्नक में दिए गए हैं. वर्ष 2011-12 के सर्वे में भारतीय बैंकों की 163 विदेशी शाखाओं और 158 सहायक कंपनियों तथा भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों की 309 शाखाओं को शामिल किया गया.

बैंकिंग सेवाओं के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की प्रवृत्तियां

यहां बैंकिंग सेवाओं के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर सर्वे के 2011-12 दौर की प्रमुख बातों तथा पिछले कुछ वर्षों के दौरान बैंकिंग सेवाओं में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में हुए परिवर्तनों का विश्लेषण प्रस्तुत किया जा रहा है।

* बाह्य देयता और आस्ति सांख्यिकी प्रभाग, सांख्यिकी और सूचना प्रबंध विभाग में तैयार किया गया. इस सिलसिले का 2009-10 तथा 2010-11 से संबंधित पूर्व लेख भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन के मई 2012 अंक में प्रकाशित किया गया था।

I. विदेशों में कार्यरत भारतीय बैंकों तथा भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों का शाखा वितरण

अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के तुलन-पत्र के अनुसार, भारतीय बैंकों की सबसे ज्यादा शाखाएं (30) यूनाइटेड किंग्डम में थीं, उसके बाद क्रमशः हांगकांग(18), सिंगापुर (17), फिजी (9), यूएई (11), श्रीलंका (9), तथा मारीशस (8) का नंबर आता है। भारतीय बैंकों में, भारतीय स्टेट बैंक की सबसे अधिक, 21 देशों में 52 शाखाएं थीं, उसके बाद बैंक आफ बड़ौदा (14 देशों में 47 शाखाएं) तथा बैंक आफ इंडिया (12 देशों में 24 शाखाएं) का नंबर आता है।

विदेशों में कार्यरत भारतीय बैंकों तथा भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों की शाखाओं / सहायक कंपनियों में 2008-09 के बाद नियोजित कर्मचारियों की संख्या की वृद्धि में गिरावट की प्रवृत्ति रही। विदेशों में कार्यरत भारतीय शाखाओं में 2009-10 से कर्मचारियों की संख्या वृद्धि में वर्ष-दर-वर्ष कमी आई है. भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों के मामले में, 2008-09 तथा 2009-10 में रोजगार में कमी आई। वर्ष 2011-12 में फिर से इसमें कमी दिखाई दी।

वर्ष 2011-12 के दौरान विदेशों में कार्यरत भारतीय बैंकों में स्थानीय स्त्रोतों से 66.3 प्रतिशत, भारत से 30.8 प्रतिशत तथा शेष अन्य देशों से 2.9 प्रतिशत कर्मचारी कार्यरत थे। भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों के मामले में, 2011-12 में कुल कर्मचारियों में स्थानीय कर्मचारियों का हिस्सा काफी अधिक (99.6 प्रतिशत) था। वर्ष 2011-12 में, विदेशों में कार्यरत भारतीय बैंकों में कर्मचारियों की संख्या 6.1 प्रतिशत बढ़ी तथा भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों में कर्मचारियों की संख्या में 2.9 प्रतिशत की गिरावट आई (सारणी 1).

II. विदेशों में कार्यरत भारतीय बैंकों तथा भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों का बैंकिंग व्यवसाय

वर्ष 2008-09 के बाद भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं तथा विदेशों में कार्यरत सहायक कंपनियों की व्यावसायिक गतिविधियों में कमी देखी गई। भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं के समेकित तुलन-पत्रों की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि 2008-09 के 57.8 प्रतिशत से घट कर 2009-10 में 15.5 प्रतिशत रह गई। लेकिन, 2010-11 में यह फिर से बढ़ कर 42.7 प्रतिशत पर पहुंच गई और 2011-12 में उसी स्तर पर बनी रही। भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों के समेकित तुलन-पत्र वृद्धि में 2009-10 में 3.1 प्रतिशत की कमी आई तथा बाद के वर्षों में इसमें सुधार आया। विदेशों में कार्यरत भारतीय बैंकों द्वारा दिये गये उधारों तथा जुटाई गई जमाराशियों की वृद्धि में 2009-10 में काफी कमी हुई तथा बाद के वर्षों में कुछ सुधार हुआ। भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों के मामले में 2008-09 में, वर्ष-दर-वर्ष ऋण वृद्धि में 3.0 प्रतिशत की काफी कम वृद्धि हुई. वर्ष 2009-10 में ऋण वृद्धि में 1.5 प्रतिशत की कमी आई, जिसमें 2010-11 में सुधार हुआ तथा 2011-12 में यह लगभग अपरिवर्तित बनी रही। विदेशों में कार्यरत भारतीय बैंकों की सहायक कंपनियों द्वारा दिये गए उधारों में भी 2009-10 में तीव्र कमी आई तथा 2010-11 में इसमें 4.8 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई, जिसमें 2011-12 में सुधार हुआ। लेकिन, विदेशी सहायक कंपनियों की जमा वृद्धि में 2010-11 से कमी बनी रही (सारणी 2)।

सारणी 1 : विदेशों में कार्यरत भारतीय बैंकों तथा भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों के कर्मचारियों का वितरण

(प्रतिशत वृद्धि)

	विदेशों में कार्यरत भारतीय बैंक				भारत में कार्यरत विदेशी बैंक				भारतीय बैंकों की विदेशों में कार्यरत सहायक कंपनियां			
	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	(12)	(13)
कर्मचारियों की संख्या	11.0	5.7	6.6	6.1	-1.1	-6.3	0.8	-2.9	32.2	21.2	17.1	11.0
जिसमें से:												
स्थानीय	15.2	3.3	9.6	2.0	-1.1	-6.4	0.7	-2.9	35.1	25.7	20.8	8.6
भारतीय	11.8	8.0	4.3	13.4	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	25.9	6.6	0.8	22.5
अन्य	-46.0	43.2	-30.2	37.8	-14.4	16.9	5.2	4.9	-7.7	-16.7	0.0	35.0

सारणी 2 : विदेशों में कार्यरत भारतीय बैंकों तथा भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों के तुलन-पत्र की मदें

(राशि बिलियन रुपये में)

मदें	मार्च अंत को राशि बिलियन रुपये में					वृद्धि (प्रतिशत)			
	2008	2009	2010	2011	2012	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
विदेशों में कार्यरत भारतीय बैंक									
प्रदत्त उधार	1389.3	2188.3	2510.0	3501.2	4451.1	57.5	14.7	39.5	27.0
जुटाई गई जमाराशियां	770.3	1396.9	1629.0	2125.7	2700.9	81.3	16.6	30.5	27.1
कुल आस्ति / देयताएं	**2199.0**	**3470.5**	**4009.0**	**5720.5**	**7399.2**	**57.8**	**15.5**	**42.7**	**29.3**
भारतीय बैंकों की विदेशों में कार्यरत सहायक कंपनियां									
प्रदत्त उधार	212.6	430.6	481.9	459.0	536.5	102.5	11.9	-4.8	16.8
जुटाई गई जमाराशियां	378.0	497.9	551.8	512.1	491.8	31.7	10.8	-7.2	-4.0
कुल आस्ति/देयताएं	**593.9**	**746.9**	**806.2**	**736.5**	**826.4**	**25.8**	**7.9**	**-8.6**	**12.2**
भारत में कार्यरत विदेशी बैंक									
प्रदत्त उधार	1606.5	1654.1	1628.5	1980.7	2413.2	3.0	-1.5	21.6	21.8
जुटाई गई जमाराशियां	1910.2	2139.7	2377.3	2402.3	2706.0	12.0	11.1	1.1	14.3
कुल आस्ति/देयताएं	**3640.0**	**4469.5**	**4329.4**	**4904.8**	**5764.5**	**22.8**	**-3.1**	**13.3**	**17.5**

III. विदेशों में कार्यरत भारतीय बैंकों तथा भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों के आय और व्यय

ऋण की धीमी गति तथा उसके परिणामस्वरूप ब्याज-आय में कमी से विदेशों में कार्यरत भारतीय बैंकों तथा भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों की कुल आय में 2009-10 में गिरावट आई, लेकिन 2010-11 में इसमें सुधार हुआ (सारणी 3)। इसकी वजह से, विदेशों में कार्यरत भारतीय बैंकों तथा भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों के व्यय में 2009-10 में कमी आई। लेकिन, मुख्यतः ब्याज व्यय में वृद्धि के कारण 2010-11 तथा 2011-12 में उनके व्यय में वृद्धि हुई।

भारत से बाहर कार्यरत भारतीय बैंकों की सहायक कंपनियों के आय और व्यय में 2009-10 तथा 2010-11 में कमी आई, जिसमें 2011-12 में सुधार हुआ (सारणी 3)।

विदेशों में कार्यरत भारतीय बैंकों तथा भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों की शाखाओं की कुल आस्तियों से आय में 2008-09 से गिरावट की प्रवृत्ति दिखाई दी. साथ ही, लाभप्रदता अनुपात, भारतीय बैंकों की विदेशों में कार्यरत शाखाओं और सहायक कंपनियों की कुल आस्तियों से लाभ अनुपात पर 2008-09 के संकट वर्ष में काफी प्रभाव पड़ा, जिसमें बाद में सुधार हुआ (सारणी 4)।

साणी 3 : भारतीय बैंको की विदेशी शाखाओं, भारतीय बैंकों की विदेशों में कार्यरत सहायक कंपनियों तथा भारत में विदेशी बैंकों की शाखाओं के आय और व्यय

मदें	भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाएं				भारतीय बैंकों की विदेशों में कार्यरत सहायक कंपनियां				भारत में विदेशी बैंकों की शाखाएं			
	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	(12)	(13)
आय	167.4	161.8	196.6	285.3	47.3	40.6	38.1	57.6	452.0	363.2	394.3	467.3
	(27.7)	(-3.3)	(21.5)	(45.1)	(61.1)	(-14.2)	(-6.2)	(51.2)	(29.4)	(-19.6)	(8.6)	(18.5)
जिसमें से; ब्याज आय	170.6	140.7	188.4	230.5	39.2	33.5	32.9	37.1	303.1	263.2	285.9	361.2
	(35.4)	(-17.5)	(33.9)	(22.3)	(40.2)	(-14.5)	(-1.8)	(12.9)	(23.3)	(-13.2)	(8.6)	(26.3)
व्यय	165.1	121.6	134.0	206.2	42.8	34.5	29.7	45.8	326.2	200.1	281.3	327.9
	(57.5)	(-26.3)	(10.2)	(53.9)	(53.7)	(-19.4)	(-13.9)	(54.2)	(32.1)	(-38.7)	(40.6)	(16.5)
जिसमें से; ब्याज व्यय	130.3	104.5	129.3	160.0	30.1	26.4	20.8	22.8	128.1	85.9	107.3	151.6
		(-19.8)	(23.7)	(23.7)		(-12.3)	(-21.2)	(9.6)		(-32.9)	(24.9)	(41.3)

लघु कोष्ठकों में दिए गए आंकड़े संबंधित मद में वार्षिक वृद्धि दर्शाते हैं

सारणी 4 : भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं, भारतीय बैंकों की विदेशों में कार्यरत सहायक कंपनियों तथा भारत में विदेशी बैंकों के लाभप्रदता अनुपात

(प्रतिशत)

लाभप्रदता अनुपात	भारतीय बैंकों की विदेशों में कार्यरत शाखाएं				भारतीय बैंकों की विदेशों में कार्यरत सहायक कंपनियां				भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों की शाखाएं			
	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	(12)	(13)
कुल आस्तियों से आय	4.8	4.0	3.4	3.9	6.3	5.0	5.2	7.0	10.1	8.4	8.0	8.1
कुल आस्तियों से लाभ	0.1	1.0	1.1	0.7	0.6	0.8	1.1	1.4	2.8	3.8	2.3	2.4

IV. विदेशों में कार्यरत भारतीय बैंकों की देशवार लाभप्रदता

भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं की आस्तियों पर लाभ पर सर्वाधिक प्रभाव 2008-09 में पड़ा। यह बात, विशेषकर यूएसए में कार्यरत भारतीय बैंकों की शाखाओं के संबंध में सत्य है (चार्ट 1)।

V. बैंकिंग सेवाओं का गतिविधि-वार व्यापार

भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं और सहायक कंपनियों द्वारा विविध सेवाओं के लिए ग्राहकों से प्रत्यक्ष तथा परोक्ष रूप से वसूल किए गए शुल्क और कमीशन के आधार पर बैंकिंग सेवाओं के व्यापार से वसूली हुई। बैंकों द्वारा प्रदान की गई वित्तीय सेवाओं को ग्यारह प्रमुख समूहों में वर्गीकृत किया गया है। ब्योरे संलग्नक में दिए गये हैं। सेवाओं में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर सांख्यिकी मैनुअल 2010 के अनुसार इस भाग में भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं और सहायक कंपनियों द्वारा प्रदान की गई सेवाओं के अलग-अलग आंकड़े प्रस्तुत किए गए हैं।

भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं द्वारा प्रदान की गई बैंकिंग सेवाओं से प्राप्त आय में वृद्धि, संकट के बाद के वर्षों में मुख्यतः ऋण संबंधित सेवाओं, व्यापार वित्त संबंधी सेवाओं, भुगतान और धन प्रेषण सेवाओं तथा भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं के व्युत्पन्नों, शेयरों, प्रतिभूतियों से प्राप्त आय में काफी वृद्धि के कारण हुई (सारणी 5)।

भारतीय बैंकों की विदेशी सहायक कंपनियों की बैंकिंग सेवाओं से प्राप्त शुल्क आय में वर्ष 2009-10

चार्ट 1 : आस्तियों पर लाभ - देशवार

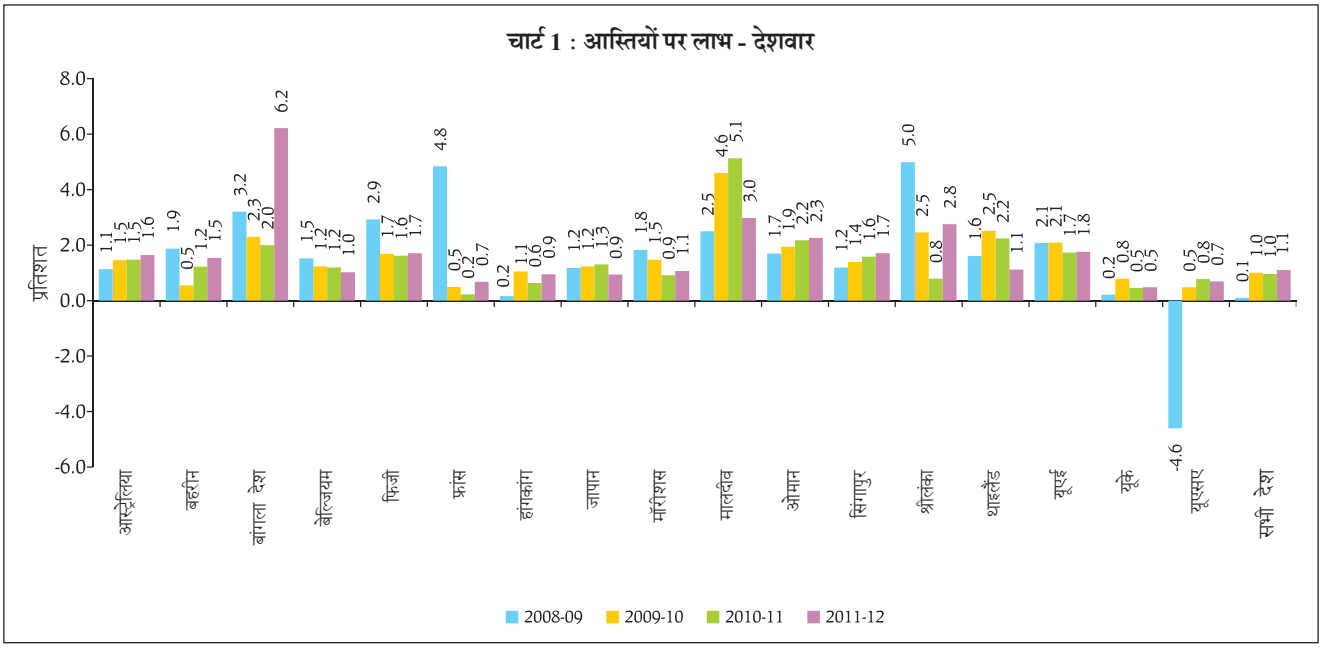

सारणी 5 : भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं तथा सहायक कंपनियों की बैंकिंग सेवाओं के व्यापार का गतिविधि-वार संयोजन

(राशि बिलियन रुपये में)

बैंकिंग सेवाएं	भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाएं				भारत की विदेशों में कार्यरत सहायक कंपनियां			
	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
जमा खाता प्रबंधन सेवाएं	0.8	0.6	0.9	1.8	0.1	0.1	0.3	0.2
ऋण संबंधित सेवाएं	11.8	15.6	23.9	25.6	2.1	2.5	1.3	1.4
वित्तीय पट्टाकरण सेवाएं	0.0	0.1	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
व्यापार वित्त से संबंधित सेवाएं	12.1	10.9	10.6	18.2	1.6	0.9	0.4	0.5
भुगतान और प्रेषण सेवाएं	2.7	3.1	2.6	10.1	1.1	1.0	0.3	0.4
निधि प्रबंधन सेवाएं	0.0	0.2	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.3
वित्तीय परामर्श और सलाहकार सेवाएं	0.7	0.4	0.9	0.3	1.3	0.6	0.5	0.2
हमीदारी सेवाएं	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
समाशोधन और निपटान सेवाएं	0.2	0.0	0.0	1.9	0.0	0.0	0.0	0.0
व्युत्पन्न, शेयर, प्रतिभूतियां, विदेशी मुद्रा व्यापार सेवाएं	1.3	1.9	4.5	9.6	-7.4	0.5	0.3	0.4
अन्य वित्तीय सेवाएं	0.4	0.3	0.5	0.6	13.7	0.1	0.1	0.7
कुल	**30.1**	**33.0 (9.7)**	**44.0 (33.2)**	**68.0 (54.5)**	**12.4**	**5.6 (-54.6)**	**3.3 (-40.9)**	**4.1 (23.2)**

लघु कोष्ठकों में दिए गए आंकड़े वार्षिक वृद्धि दर्शाते हैं

(-54.6 प्रतिशत) तथा 2010-11(-40.9 प्रतिशत) में काफी कमी आई, जिसमें 2011-12 में सुधार हुआ।

VI. भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं की देशवार लाभप्रदता

भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं की बैंकिंग सेवाओं के कुल व्यापार में बहरीन, बेल्जियम, हांगकांग, जापान, सिंगापुर, श्रीलंका, यूएई, यूके, तथा यूएसए का प्रमुख हिस्सा था, जो लगभग 90.8 प्रतिशत था

भारतीय बैंकों की विदेशी सहायक कंपनियों की सेवाओं के प्रमुख देश बोत्सवाना, कनाडा, रूस तथा यूके थे (सारणी 6)।

सारणी 6 : बैंकिंग सेवाओं का व्यापार - देशवार वर्गीकरण

(राशि बिलियन रुपये में)

देश	बैंकिंग सेवाओं में व्यापार																		कुल		
	डीएएम			सीआरएस			टीएफआर			पीएमटी			डीईआर			अन्य सेवाएं			सभी सेवाएं		
	2009-10	2010-11	2011-12	2009-10	2010-11	2011-12	2009-10	2010-11	2011-12	2009-10	2010-11	2011-12	2009-10	2010-11	2011-12	2009-10	2010-11	2011-12	2009-10	2010-11	2011-12
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)	(17)	(18)	(19)	(20)	(21)	(22)
भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाएं																					
बहरीन	0.0	0.0	0.0	2.2	2.1	1.8	0.5	0.3	0.3	0.0	0.0	0.0	0.3	0.3	0.1	0.1	1.0	0.3	3.1	3.7	2.5
बेल्जियम	0.0	0.0	0.0	0.5	0.3	0.2	0.4	0.2	0.4	0.2	0.2	0.3	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	1.1	0.8	0.9
हांगकांग	0.0	0.0	0.6	2.3	3.5	5.3	1.2	1.3	2.0	0.1	0.1	0.6	0.3	0.7	0.7	0.3	0.0	0.2	4.2	5.7	9.5
जापान	0.0	0.2	0.1	0.0	0.7	0.2	3.6	0.0	0.1	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.4	0.0	0.0	0.1	3.6	1.0	0.9
सिंगापुर	0.0	0.0	0.0	4.3	3.6	5.6	0.6	2.6	1.5	0.1	0.2	0.1	0.7	1.1	1.4	0.3	0.1	0.4	6.0	7.6	8.9
श्रीलंका	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.1	0.0	0.1	0.1	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.1	0.2	0.1
यूएई	0.3	0.5	0.6	0.3	1.8	2.5	1.3	2.5	2.4	0.0	0.1	0.1	0.2	0.3	0.4	0.0	0.0	0.0	2.2	5.2	5.9
यूके	0.1	0.1	0.3	4.1	7.9	4.5	1.2	2.1	8.2	0.2	0.3	6.7	0.1	0.1	6.2	0.0	0.0	1.8	5.7	10.5	27.8
यूएसए	0.0	0.0	0.0	1.0	2.8	2.4	0.7	0.7	1.6	1.7	0.8	1.2	0.0	0.0	0.1	0.0	0.0	0.0	3.5	4.4	5.2
अन्य देश	0.1	0.1	0.1	0.7	1.2	3.1	1.5	0.8	1.6	0.8	0.9	1.0	0.3	1.8	0.3	0.3	0.2	0.0	3.6	5.1	6.3
कुल	**0.6**	**0.9**	**1.8**	**15.6**	**23.9**	**25.6**	**10.9**	**10.6**	**18.2**	**3.1**	**2.6**	**10.1**	**1.9**	**4.5**	**9.6**	**0.9**	**1.4**	**2.8**	**33.0**	**44.0**	**68.0**
भारतीय बैंकों की विदेश में सहायक कंपनियां																					
बोत्सवाना	0.0	0.0	0.0	0.0	0.1	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.3	0.0	0.1	0.3
कनाडा	0.0	0.0	0.1	0.4	0.4	0.4	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.2	0.1	0.1	0.4	0.1	0.0	1.1	0.7	0.6
रूस	0.0	0.0	0.0	0.1	0.1	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.2	0.1	0.1
यूके	0.0	0.0	0.0	1.7	0.5	0.3	0.7	0.2	0.2	0.9	0.0	0.0	0.1	0.0	0.0	0.1	0.4	0.3	3.5	1.2	0.8
अन्य देश	0.1	0.2	0.1	0.3	0.4	0.6	0.1	0.2	0.3	0.0	0.2	0.3	0.2	0.2	0.3	0.1	0.1	0.6	0.8	1.3	2.2
कुल	**0.1**	**0.3**	**0.2**	**2.5**	**1.3**	**1.4**	**0.9**	**0.4**	**0.5**	**1.0**	**0.3**	**0.4**	**0.5**	**0.3**	**0.4**	**0.7**	**0.6**	**1.2**	**5.6**	**3.3**	**4.1**

डीएएम : जमा खाता प्रबंधन सेवाएं, सीआरएस-ऋण संबंधित सेवाएं, टीएफआर-व्यापार वित्त संबंधी सेवाएं, पीएमटी-भुगतान और धन प्रेषण सुविधाएं,
डीईआर : व्युत्पन्न, शेयर, प्रतिभूति, विदेशी मुद्रा व्यापार सेवाएं, एनए-बैंक शाखा परिचालित नहीं है।

VII. निवासियों और अनिवासियों को दी गई बैंकिंग सेवाओं का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं की शुल्क आय का बड़ा भाग अनिवासियों से प्राप्त हुआ। भारतीय बैंकों की विदेश स्थित सहायक कंपनियों की शुल्क आय का बड़ा भाग निवासियों से प्राप्त हुआ (सारणी 7)।

VIII. बैंकिंग सेवाओं का व्यापार - भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाएं तथा भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों की शाखाएं

वर्ष 2011-12 में, भारतीय बैंकों की 163 विदेशी शाखाओं की कुल शुल्क आय 68.0 बिलियन रुपये की थी। भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों की 309 शाखाओं की कुल शुल्क आय 94.3 बिलियन रुपये की थी (चार्ट 2)।

सारणी 7 : भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं और सहायक कंपनियों द्वारा दी गई बैंकिंग सेवाओं के व्यापार में शुल्क आय

(राशि बिलियन रुपये में)

मदें	भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाएं				भारतीय बैंकों की विदेश स्थित सहायक कंपनियां			
	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
निवासी	11.31	11.11	15.92	28.8	8.08	2.6	1.95	3.2
अनिवासी	18.81	21.92	28.09	39.2	4.35	3.04	1.38	0.9
जिसमें से:								
भारत में	11.13	11.32	15.39	20.3	0.75	1.25	0.3	0.3
अन्य देशों में	7.68	10.6	12.7	18.9	3.6	1.79	1.08	0.6
बैंकिंग सेवाओं का कुल व्यापार (शुल्क आय)	**30.12**	**33.03**	**44.01**	**68.0**	**12.43**	**5.64**	**3.33**	**4.1**

चार्ट 2 : बैंकिंग सेवाओं का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

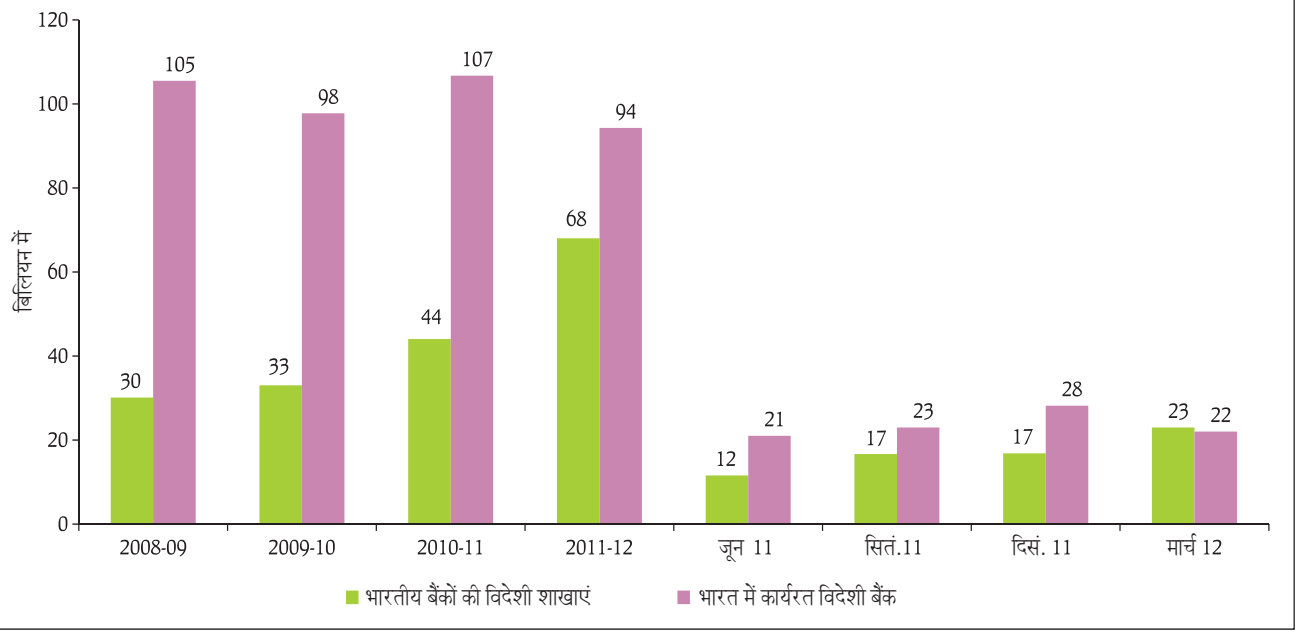

भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं की शुल्क से प्राप्त आय का बड़ा हिस्सा ''ऋण से संबंधित सेवाओं'' तथा ''व्यापार वित्त संबंधी सेवाओं'' से आया। भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों की शुल्क आय का बड़ा हिस्सा ''व्युत्पन्न, शेयर, प्रतिभूति, विदेशी मुद्रा व्यापार सेवाओं तथा वित्तीय परामर्श और सलाहकार सेवाओं'' से प्राप्त हुआ (सारणी 8)।

IX. निष्कर्ष

भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं के समेकित तुलन-पत्र की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि में 2009-10 में भारी कमी आई. साथ ही, भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों के समेकित

सारणी 8 : बैंकिंग सेवाओं के व्यापार का गतिविधि-वार हिस्सा

(प्रतिशत)

गतिविधि	भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाएं				भारत में कार्यरत विदेशी बैंक			
	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
जमा खाता प्रबंधन सेवाएं	2.7	1.7	2.1	2.7	2.8	4.1	3.8	5.4
ऋण संबंधित सेवाएं	39.2	47.2	54.4	37.6	8.4	7.2	9.0	10.9
वित्तीय पट्टाकरण सेवाएं	0.0	0.2	0.0	0.0	0.9	0.0	0.0	0.0
व्यापार वित्त संबंधी सेवाएं	40.3	33.1	24.2	26.8	17.7	14.0	11.1	19.0
भुगतान और धन प्रेषण सेवाएं	9.1	9.2	6.0	14.8	7.0	7.0	17.5	9.2
निधि प्रबंधन सेवाएं	0.1	0.5	0.0	0.0	3.1	4.7	5.2	5.9
वित्तीय परामर्श और सलाहकार सेवाएं	2.4	1.3	2.1	0.4	9.6	19.5	14.1	14.4
हामीदारी सेवाएं	0.0	0.0	0.0	0.0	0.8	0.4	0.4	0.4
समाशोधन और निपटान सेवाएं	0.6	0.0	0.0	2.8	3.4	2.2	2.0	3.7
व्युत्पन्न, शेयर, प्रतिभूति, विदेशी मुद्रा व्यापार संबंधी सेवाएं	4.4	5.9	10.2	14.1	35.2	18.7	27.1	21.5
अन्य वित्तीय सेवाएं	1.2	0.9	1.0	0.9	11.1	22.1	9.8	9.6
समस्त गतिविधियां	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**

तुलन-पत्र की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि में 2009-10 में कमी आई। लेकिन, 2009-10 के बाद भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों और विदेशों में कार्यरत भारतीय बैंकों के परिचालनों में कुछ सुधार देखा गया। इस प्रकार, वैश्विक वित्तीय संकट ने भारत में बैंकिंग सेवाओं के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर कुछ विपरीत प्रभाव डाला।

भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं की शुल्क आय का बड़ा भाग अनिवासियों को सेवाएं प्रदान करने से प्राप्त हुआ। दूसरी ओर, भारतीय बैंकों की विदेशों में कार्यरत सहायक कंपनियों की शुल्क आय का बड़ा भाग निवासियों को सेवाएं प्रदान करने से प्राप्त हुआ।

भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों की शुल्क आय का बड़ा भाग ''व्युत्पन्न, शेयर, प्रतिभूति, विदेशी मुद्रा व्यापार सेवाओं तथा वित्तीय परामर्श और सलाहकार सेवाओं'' से प्राप्त हुआ। लेकिन, भारतीय बैंकों की विदेशों में कार्यरत शाखाओं के मामले में, शुल्क आय का बड़ा भाग ''ऋण संबंधी सेवाओं'' तथा ''व्यापार वित्त संबंधी सेवाओं'' से प्राप्त हुआ।

संलग्नक

सर्वे में शामिल बैंकिंग सेवाएं

बैंकिंग सेवाओं में जमा स्वीकार करना और ऋण देना (मूल बैंकिंग सेवाएं) तथा भुगतान सेवा, प्रतिभूति व्यापार, आस्ति प्रबंधन, वित्तीय परामर्श, समाशोधन और निपटान सेवा आदि जैसी अन्य वित्तीय सेवाएं (बैंक-इतर सेवा) शामिल हैं। वित्तीय बाजारों और गतिविधियों के आर्थिक एकीककरण में वृद्धि होने से बैंकिंग सेवाओं के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में काफी वृद्धि हुई है।

गेट्स (GATS) ढांचे में यह माना गया है कि वाणिज्यिक सेवाएं चार विभिन्न तरीकों - 1. एक देश से दूसरे देश में सेवा 2. विदेश में उपभोग 3. वाणिज्यिक उपस्थिति और 4. व्यक्तियों की आवाजाही, से दी जा सकती है। तीसरे तरीके में बैंक सेवा-आयातक देश में वाणिज्यिक रूप से उपस्थित रहता है तथा वहां सेवाएं प्रदान करता है। वाणिज्यिक उपस्थिति प्रतिनिधि कार्यालयों, शाखाओं, सहायक कंपनियों, सहयोगियों तथा करेस्पोंडेंट जैसे निवेश साधनों के माध्यम से हो सकती है।

इस सर्वे में जिन बैंकिंग सेवाओं को शामिल किया गया है उनमें (i) जमा खाता प्रबंधन सेवाएं (ii) ऋण संबंधित सेवाएं (iii) वित्तीय पट्टाकरण सेवाएं (iv) व्यापार वित्त संबंधी सेवाएं (v)भुगतान और धन प्रेषण सेवाएं (vi) निधि प्रबंध सेवाएं (vii) वित्तीय परामर्श और सलाहकार सेवाएं (viii) हामीदारी सेवाएं (ix) समाशोधन और निपटान सेवाएं, तथा (x) व्युत्पन्न, शेयर, प्रतिभूति और विदेशी मुद्रा व्यापार सेवाएं जैसी अनुषंगी सेवाएं शामिल हैं। बैंकिंग व्यवसाय करते समय बैंक उस देश के निवासियों की तथा अनिवासियों की बैंकिंग सेवा संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं, जिस देश में वे कार्यरत होते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए इस सर्वे में निवासियों और अनिवासियों को प्रदान की जाने वाली वित्तीय सेवाओं से संबंधित जानकारी को अलग-अलग एकत्रित किया गया है।

शामिल सेवाओं के ब्योरे इस प्रकार हैं:

- ***जमा खाता प्रबंधन सेवाओं*** में जमाकर्ताओं से लिये जाने वाले और उनकी ओर से दिये जाने वाले शुल्क तथा कमीशन शामिल होते हैं जो चेकबुक, इंटरनेट बैंकिंग के उपयोग के लिए शुल्क, ड्राफ्ट तथा अन्य लिखतों के लिए कमीशन, न्यूनतम जमा शेष न रखने पर दंड तथा जमा खाताधारक पर प्रभारित अन्य शुल्कों के रूप में होते हैं।
- ***ऋण संबंधित सेवाओं*** में ऋण अथवा उधार देने से संबंधित प्राप्त शुल्क शामिल होते हैं, जिनमें ऋण प्रक्रिया से संबंधित शुल्क, देरी से भुगतान या भुगतान में चूक और शीघ्र मोचन जैसी सेवाओं से संबंधित शुल्क शामिल होते हैं। सुविधा और प्रबंधन शुल्क, ऋण की शर्तों पर फिर से बातचीत, बंधक शुल्क आदि भी इसमें शामिल होते हैं।
- ***वित्तीय पट्टाकरण सेवाओं*** में वित्तीय पट्टाकरण संविदाओं की व्यवस्था तथा निष्पादन से संबंधित शुल्क और कमीशन शामिल होते हैं. आय में से सीधे प्राप्त अथवा काटे गए शुल्क भी शामिल होते हैं।
- ***व्यापार वित्त संबंधी सेवाओं*** में क्रेता तथा आपूर्तिकर्ता ऋण की व्यवस्था के लिए प्रभारित शुल्क अथवा कमीशन,साख पत्र की स्थापना / रखरखाव अथवा व्यवस्था के लिए शुल्क, क्षतिपूर्ति पत्र, ऋण व्यवस्था के लिए शुल्क, फैक्टरिंग सेवाओं, वित्तीय गारंटियां जारी करने, प्रतिबद्धता के लिए शुल्क, व्यापारिक बिलों को संभालने के लिए प्रभार शामिल हैं।
- ***भुगतान और धन प्रेषण सेवाओं*** में शामिल हैं- स्विफ्ट, टीटी, तार अंतरण आदि जैसी इलेक्ट्रॉनिक निधि अंतरण सेवाओं के लिए शुल्क अथवा प्रभार आदि। एटीएम नेटवर्क सेवा, क्रेडिट/डेबिट कार्ड के लिए वार्षिक शुल्क, इंटरचेंज प्रभार, पॉइंट आफ सर्विसेज के लिए शुल्क आदि भी इसमें शामिल हैं। इसके अलावा, विदेश में धन प्रेषण तथा विदेश से धन प्राप्ति के लिए ग्राहक पर लगाए जाने वाले प्रभार भी इसमें शामिल हैं।

संलग्नक (जारी)

सर्वे में शामिल बैंकिंग सेवाएं

- ***निधि प्रबंधन सेवाओं में*** वित्तीय संविभागों के प्रबंधन तथा प्रशासन के लिए प्राप्त आय अथवा शुल्क, संयुक्त निवेश प्रबंधन के सभी रूप, पेंशन निधि प्रबंधन, अभिरक्षा, डिपोजिटरी तथा न्यास सेवाओं संबंधी शुल्क शामिल हैं। इसके अलावा, शेयरों/ईक्विटी की अभिरक्षा के लिए लेनदेन शुल्क, अभिरक्षक खाते के लिए लेनदेन शुल्क, अभिरक्षक खाते से संबंधित अन्य कोई शुल्क/प्रभार या संचार लागत भी इसमें शामिल है।
- ***वित्तीय परामर्श तथा सलाहकार सेवाओं*** में परामर्शी मध्यस्थीकरण तथा अन्य अनुषंगी वित्तीय सेवा के लिए परामर्श शुल्क शामिल है। इन सेवाओं में साख संदर्भ तथा विश्लेषण, संविभाग शोध तथा सलाह, विलयन और अभिग्रहण, कंपनी पुनर्संरचना तथा नीति संबंधी सेवाएं भी सम्मिलित हैं. निजी रूप से शेयर देने/ईक्विटी का व्यवस्था/प्रबंधन शुल्क भी इसमें शामिल होता है।
- ***हामीदारी सेवाओं*** में हामीदारी शुल्क,नई निर्गमित प्रतिभूतियों को संपूर्ण रूप में या उसके बड़े भाग को खरीदने तथा पुनः बेचने से प्राप्त आय शामिल होती हैं।
- ***समाशोधन और निपटान सेवाओं*** में वित्तीय आस्तियों का समाशोधन और निपटान शामिल होता है, जिसमें प्रतिभूतियां, व्युत्पन्न उत्पाद तथा अन्य परक्राम्य लिखत शामिल हैं।
- ***व्युत्पन्न, शेयर, प्रतिभूति, विदेशी मुद्रा व्यापार सेवाओं*** में वित्तीय व्युत्पन्न लेनदेन करने, प्लेसमेंट सेवाओं तथा मोचन से संबंधित शुल्क, मार्जिन और कमीशन शामिल होते हैं। बैंक के खुद के खातों के साथ-साथ ग्राहकों की ओर से विदेशी मुद्रा व्यापार पर प्राप्त आय को इस मद में दर्शाना होता है। विदेशी मुद्रा की दलाली सेवाओं के लिए प्रत्यक्ष रूप से प्राप्त शुल्क और कमीशन भी रिपोर्ट करने होते हैं। व्युत्पन्न, शेयर, प्रतिभूति आदि में व्यापार के लिए बैंक के स्वयं के खाते में प्राप्त आय को इसमें शामिल नहीं किया जाता।

भारतीय रिज़र्व बैंक ने बैंकिंग सेवाओं के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए सांख्यिकी पर एक तकनीकी दल का गठन किया था, जिसमें वित्त मंत्रालय, वाणिज्य मंत्रालय तथा बैंक के विभिन्न विभागों (आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग, बैंकिंग परिचालन और विकास विभाग तथा सांख्यिकी और सूचना प्रबंध विभाग)के प्रतिनिधि सदस्य के तौर पर शामिल थे।

उक्त तकनीकी दल ने रिज़र्व बैंक में उपलब्ध विभिन्न आंकड़ा स्रोतों का परीक्षण करने के बाद,यह सिफारिश की थी कि वार्षिक सर्वे के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के गतिविधि-वार आंकड़े एकत्रित किए जाएं तथा यह सुझाव दिया था कि शुरूआत में ये आंकड़े विदेशों में कार्यरत भारतीय बैंकों तथा भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों के संबंध में इकट्ठा किए जाएं। इस दल ने यह भी सिफारिश की थी कि बैंकों के साथ परामर्श से उचित व्याख्यात्मक टिप्पणियों सहित उपयुक्त प्रश्नावली तैयार की जाए तथा वित्तीय वर्ष 2006-07 का वार्षिक सर्वे जून 2007 तक आयोजित कर लिया जाए। तद्नुसार, भारत में कार्यरत प्रमुख विदेशी बैंकों तथा विदेशों में कार्यरत भारतीय बैंकों के साथ विस्तृत चर्चा के बाद सर्वे-अनुसूची तैयार की गई।